MARJ-04

June - Examination 2026
M.A. (Previous) Examination
RAJASTHANI
राजस्थानी लोक साहित्य
Paper : MARJ-04

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– औ पेपर तीन खण्डां खण्ड 'अ', 'ब' अर स मांय बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा सवाल दियोड़ा है। हरेक खंड रै आगै दियोड़ा निर्देशां मुजब आपरा पड़ूत्तर लिखौ।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा **सगळां सवालां** रा पड़ूत्तर देवणा जरूरी है। आपरौ पड़ूत्तर अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम **30** सबद सूं बेसी नीं हुवणा चाहिजै। हरेक सवाल **2** अंक रौ है।

1. (i) वेदां में 'लोक' री कल्पना किण रूप में करीजी है?

(ii) 'पड़' अर 'पवाड़ा' किणनै कैवै? म्यानौ देवो।

(iii) लोक गीत 'कुरजां' रौ मूळ भाव कांई है?

(iv) ब्यांव रै समै गाइजण वाळा गीतां नै कांई कैवै?

(v) लोक–नाट्य री ओपती परिभासा मांडौ।

(vi) लोक अर संस्कृति सबदां रा अरथ अर परिभासा मांडौ।

(vii) 'जलौ' लोकगीत किण अवसर पर गाइजै?

(viii) 'छोगा' रौ अरथ समझावता बतावौ के छोगा कितरी भांत रा व्है?

खण्ड–'ब' 4×8=32

(छोटा सवाल)

निर्देश :– नीचै लिख्या सवालां मांय सूं **कोई चार** सवालां रा पड़ूत्तर दिरावौ। सबद सीमा **200** सबद है। हरेक सवाल **8** अंक रौ है।

2. राजस्थान री किणी अेक प्रेम–कथा रौ सार आपरा सबदां में लिखौ।

3. लोक गाथावां री सामान्य विसेसतावां री जांणकारी मांड'र खुलासौ करावौ।

4. राजस्थानी ख्यालां री विसेसतावां उजागर करता वीरता प्रधान ख्यालां री उल्लेखजोग अर अंजसजोग विसेसतावां बतावौ।

5. राजस्थानी लोकगीतां रौ वरगीकरण करावौ।

6. लोक साहित्य अर लोक–संस्कृति रै संबंध नै उजागर करौ।

7. राजस्थानी लोक नाट्यां री ओळखांण करावौ।

8. लोक साहित्य री अंवेर सारू कोई चार उपाय लिखौ।

9. लोकोक्ति साहित्य मांय किसी–किसी विधावां भेळी करीजै? खुलासौ करावौ।

खण्ड–'स' 2×16=32

(मोटा सवाल)

निर्देश :– नीचै लिख्या सवालां मांय सूं **कोई दोय** सवालां रा पड़ूत्तर दिरावौ। सबद सीमा **500** सबद है। हरेक सवाल **16** अंक रौ है।

10. आज रै जुग में लोक–विसवासां रौ कैड़ौ सरूप निंगै आवै? लोक–विसवासां रा दाखळा देय'र खुलासौ करावौ।

11. राजस्थानी लोकोत्सव परंपरा री विरोळ करावता सांगोपांग ओळखांण करावौ।

12. लोक साहित्य रौ भासा–विज्ञान री दीठ सूं मैत्तव उजागर करौ।

13. पारंपरिक राजस्थानी लोकगीतां री ओळखांण करावता बानगी मांड'र उणरी इधकाई उजागर करौ।
